



**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**  
अखिल भारतीय समन्वयित कृषि हवामानशास्त्र संशोधन प्रकल्प  
वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी - ४३१ ४०२  
ईमेल - amfuparbhani@gmail.com



**बीड जिल्हा कृषि हवामान सल्ला पत्रक क्रमांक - ८१/२०२५-२०२६ मंगळवार, दिनांक - ०६.०१.२०२६**

| मागील आठवड्यातील हवामानस्थिती<br>(दिनांक ३१ डिसेंबर २०२५ ते ०६ जानेवारी, २०२६) |       |       |       |       |       |       | हवामान घटक                   | हवामान अंदाज<br>(दिनांक ०७ ते ११ जानेवारी २०२६, साठी हवामान अंदाज) |              |        |            |              |
|--------------------------------------------------------------------------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|------------------------------|--------------------------------------------------------------------|--------------|--------|------------|--------------|
| ३१/१२                                                                          | ०१/०१ | ०२/०१ | ०३/०१ | ०४/०१ | ०५/०१ | ०६/०१ | दिनांक                       | ०७/०१                                                              | ०८/०१        | ०९/०१  | १०/०१      | ११/०१        |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | पाऊस (मिमी)                  | ०.०                                                                | ०.०          | ०.०    | ०.०        | ०.०          |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | कमाल तापमान (अं.से.)         | २९.०                                                               | २९.०         | २९.०   | २९.०       | ३०.०         |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | किमान तापमान (अं.से.)        | १३.०                                                               | १२.०         | १३.०   | १४.०       | १४.०         |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | स. ढग स्थिती (आकाश)          | स्वच्छ                                                             | स्वच्छ       | स्वच्छ | अंशतः ढगाळ | स्वच्छ       |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%)  | ६०                                                                 | ४२           | ४४     | ४६         | ४४           |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | २२                                                                 | १७           | १७     | १८         | १६           |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | वाऱ्याचा वेग (किमी/तास)      | ९                                                                  | १०           | १२     | ११         | ९            |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | स. वाऱ्याची दिशा             | पूर्व-आग्नेय                                                       | पूर्व-आग्नेय | आग्नेय | आग्नेय     | पूर्व-आग्नेय |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | दु.                          |                                                                    |              |        |            |              |

**हवामान सारांश / चेतावनी :**

प्रादेशिक हवामान केंद्र, मुंबई येथून प्राप्त झालेल्या अंदाजानुसार बीड जिल्ह्यात पुढील चार दिवस हवामान स्वच्छ व कोरडे राहण्याची शक्यता आहे. बीड जिल्ह्यात पुढील तीन दिवसात कमाल तापमानात फारशी तफावत जाणवत नाही व त्यानंतर हळूहळू किंचित वाढ होण्याची तर पुढील दोन दिवसात किमान तापमानात फारशी तफावत जाणवत नाही व त्यानंतर हळूहळू २ ते ३ अं.से. ने वाढ होण्याची शक्यता आहे.

**सामान्य सल्ला :**

विस्तारीत अंदाजानुसार (ईआरएफएस) मराठवाड्यात दिनांक ०९ ते १५ जानेवारी २०२६ दरम्यान पाऊस सरासरीपेक्षा कमी, कमाल तापमान सरासरीएवढे ते सरासरीपेक्षा कमी व किमान तापमान सरासरीएवढे ते सरासरीपेक्षा किंचित कमी राहण्याची शक्यता आहे.

**संदेश :** पुढील पाच दिवस हवामान कोरडे राहण्याची शक्यता लक्षात घेता पिकास, फळबागेत, भाजीपाला व फुल पिकास आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.

| पिकांचे नाव      | अवस्था               | कृषी हवामान सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
|------------------|----------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| कापूस            | काढणी                | कुठल्याही परिस्थितीत कापसाची फरदड (खोडवा) घेऊ नये. कापूस पिकाची शेवटची वेचणी पूर्ण झाल्यावर कापूस पिकाचा पालापाचोळा, पराट्या जमा करून त्यांची योग्य विल्हेवाट लावावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| तुर              | परिपक्वता ते काढणी   | काढणीस तयार असलेल्या तुर पिकाची काढणी करावी व मळणी करून सुरक्षित ठिकाणी साठवणूक करावी. शेंगा पोखरणान्या अळीच्या व्यवस्थापनासाठी इमामेक्टीन बेन्झोएट ५ % ४.४ ग्रॅम किंवा स्पिनोसॅड ४५ % ३ मिली किंवा इंडाक्झाकार्ब १४.५ % ८ मिली किंवा क्लोरेंट्रानिलीप्रोल १८.५% ३ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. शेंग माशीच्या व्यवस्थापनासाठी लॅमडा सायहॅलोथ्रोन ५% ८ मिली किंवा ल्युफेन्यूरॉन ५.४% १२ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                            |
| रब्बी ज्वारी     | वाढीची               | रब्बी ज्वारी पिकात लष्करी अळीचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास याच्या व्यवस्थापनासाठी इमामेक्टीन बेन्झोएट ५ टक्के ४ ग्रॅम किंवा स्पिनेटोरम ११.७ एससी ४ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून वरील किटकनाशकांची आलटून पालटून फवारणी करावी. फवारणी करत असतांना किटकनाशक पोंग्यात पडेल अशाप्रकारे फवारणी करावी. रब्बी ज्वारी पिकास आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| रब्बी सूर्यफुल   | वाढीची               | रब्बी सूर्यफुल पिकात आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| गहू              | वाढीची ते कांडी धरणे | पेरणी केलेल्या गहू पिकास राहिलेले अर्थे नत्र १०९ किलो यूरिया प्रति हेक्टर पेरणीनंतर २५ ते ३० दिवसांनी द्यावे. गहू पिकास कांडी धरण्याच्या अवस्थेत (पेरणी नंतर ४० ते ४५ दिवस) व पिक फुलावर असतांना (पेरणीनंतर ६५ ते ७० दिवस) पाणी द्यावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| केळी             | वाढीची / घड वाढीची   | केळी बागेचे थंडीपासून संरक्षण करण्यासाठी बागेस पहाटे मोकाट पध्दतीने पाणी द्यावे. केळी बागेत घड निसवले असल्यास केळीचे गुच्छ सच्छिद्र पॉलिथीन पिशव्याने झाकून (घडांना सकटींग करावी). खोडाभोवती किंवा बागेत सेंद्रिय पदार्थांचे आच्छादन करावे. केळी बागेत घडवाढीसाठी ००:५२:३४ विद्राव्य खताची १५ ग्रॅम प्रति लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. केळी बागेत करपा (सिंगाटोका) रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास, याच्या व्यवस्थापनासाठी प्रोपिकोनॅझोल १०% ईसी १० मिली किंवा मेटेरीम ५५% + पायरॅक्लोस्ट्रोबीन ५% डब्ल्यू जी २० ग्रॅम प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                          |
| आंबा             | फुलधारणा             | आंबा बागेत रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास आवश्यकतेनुसार रोगनाशकाची फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| द्राक्ष          | घड वाढीची            | द्राक्ष घड जिब्रॅलिक ऑसिड २० मिली प्रति लिटर (२० पीपीएम) पाण्याच्या द्रावणात बुडवावेत. द्राक्ष बागेत रात्री सिंचन करावे. खोडाभोवती किंवा बागेत सेंद्रिय पदार्थांचे आच्छादन करावे. द्राक्ष बागेत पिक बेरीची समस्या होऊ नये म्हणून, द्राक्ष घड पेपरने किंवा पिशव्याने झाकून घ्यावेत.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
| सिताफळ           | वाढीची               | सिताफळ बागेत आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| भाजीपाला         | वाढीची/ काढणी        | भाजीपाला पिकात खूपणी करून तण विरहीत ठेवावे व आवश्यकतेनुसार पाटाने पाणी द्यावे. काढणीस तयार असलेल्या भाजीपाला पिकाची काढणी करून घ्यावी. भाजीपाला (मिरची, वांगे व भेंडी) पिकात रसशोषण करणाऱ्या किडीचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास त्याच्या व्यवस्थापनासाठी पायरीप्रॉक्सीफेन ५% + फेनप्रोपाथ्रीन १५% १० मिली किंवा डायमेटोएट ३०% १३ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
| फुलशेती          | वाढीची/ काढणी        | फुल पिकात खूपणी करून तण विरहीत ठेवावे व आवश्यकतेनुसार पाटाने पाणी द्यावे. काढणीस तयार असलेल्या फुल पिकाची काढणी करून घ्यावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| पशुधन व्यवस्थापन | -----                | थंडीच्या दिवसात जेव्हा थंड वारे वाहू लागतात त्या वेळेस आपल्या जनावरांचे विशेषतः शेळी आणि मेंढी यांचे थंडीपासून संरक्षण करावे. त्याकरीता त्यांच्या निवाऱ्याच्या जागेत ऊब असावी, माफक प्रमाणात हवा खेळती असावी. नाकातून पाणी येणे, भूक मंदावणे, चालण्याकरीता कष्ट होणे ई. लक्षणे दिसू लागतात पशुवैद्यकाशी त्वरीत संपर्क साधावा. सर्वसाधारणपणे बकरीच्या पिल्लांना थंडीची बाधा लवकर होते. थंडीच्या दिवसात करंडांची मरतुक टाळण्यासाठी त्यांना ऊबदार जागेत ठेवावे. मोठ्या टोपलीत कापड टाकून त्यामध्ये पिल्लांना ठेवता येऊ शकते, थंडीपासून संरक्षण होते. गोठ्यात माफक हवा असावी. शेळीचे दुध भरपूर प्रमाणात द्यावे ज्यामुळे पिल्लांच्या शरीरात ऊर्जा निर्माण होऊन थंडीपासून बाधा होणार नाही. |

सदर कृषी हवामान सल्ला पत्रिका वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी येथील ग्रामीण कृषी मौसम सेवा योजनेतील तज्ञ समितीच्या शिफारशीवरून तयार करून प्रसारित करण्यात आली.

मुख्य प्रकल्प समन्वयक  
ग्रामीण कृषी मौसम सेवा  
वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठपरभणी ,



**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**  
अखिल भारतीय समन्वयित कृषि हवामानशास्त्र संशोधन प्रकल्प  
वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी — ४३१ ४०२  
ईमेल - amfuparbhani@gmail.com



**हिंगोली जिल्हा कृषि हवामान सल्ला पत्रक क्रमांक — ८१/२०२५-२०२६ मंगळवार, दिनांक — ०६.०१.२०२६**

| मागील आठवड्यातील हवामानस्थिती<br>(दिनांक ३१ डिसेंबर २०२५ ते ०६ जानेवारी, २०२६) |       |       |       |       |       |       | हवामान घटक                   | हवामान अंदाज<br>(दिनांक ०७ ते ११ जानेवारी २०२६, साठी हवामान अंदाज) |        |            |              |        |
|--------------------------------------------------------------------------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|------------------------------|--------------------------------------------------------------------|--------|------------|--------------|--------|
| ३१/१२                                                                          | ०१/०१ | ०२/०१ | ०३/०१ | ०४/०१ | ०५/०१ | ०६/०१ | दिनांक                       | ०७/०१                                                              | ०८/०१  | ०९/०१      | १०/०१        | ११/०१  |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | पाऊस (मिमी)                  | ०.०                                                                | ०.०    | ०.०        | ०.०          | ०.०    |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | कमाल तापमान (अं.से)          | २८.०                                                               | २९.०   | २९.०       | २९.०         | ३०.०   |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | किमान तापमान (अं.से)         | १३.०                                                               | १२.०   | १२.०       | १३.०         | १४.०   |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | स. दु.                       |                                                                    |        |            |              |        |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | दग स्थिती (आकाश)             | स्वच्छ                                                             | स्वच्छ | अंशतः दगाळ | अंशतः दगाळ   | स्वच्छ |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%)  | ७३                                                                 | ६२     | ६१         | ६०           | ५९     |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ५६                                                                 | ५३     | ५३         | ५३           | ५३     |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | वाऱ्याचा वेग (किमी /तास )    | ८                                                                  | ८      | ८          | ७            | ९      |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | स. दु.                       |                                                                    |        |            |              |        |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | वाऱ्याची दिशा                | पूर्व-ईशान्य                                                       | पूर्व  | आग्नेय     | पूर्व-आग्नेय | उत्तर  |

**हवामान सारांश / चेतावनी :**

प्रादेशिक हवामान केंद्र, मुंबई येथून प्राप्त झालेल्या अंदाजानुसार र हिंगोली जिल्ह्यात पुढील चार दिवस हवामान स्वच्छ व कोरडे राहण्याची शक्यता आहे. हिंगोली जिल्ह्यात पुढील तीन दिवसात कमाल तापमानात फारशी तफावत जाणवत नाही व त्यानंतर हळूहळू किंचित वाढ होण्याची तर पुढील दोन दिवसात किमान तापमानात फारशी तफावत जाणवत नाही व त्यानंतर हळूहळू २ ते ३ अं.से. ने वाढ होण्याची शक्यता आहे.

**सामान्य सल्ला :**

विस्तारीत अंदाजानुसार (ईआरएफएस) मराठवाड्यात दिनांक ०९ ते १५ जानेवारी २०२६ दरम्यान पाऊस सरासरीपेक्षा कमी, कमाल तापमान सरासरीएवढे ते सरासरीपेक्षा कमी व किमान तापमान सरासरीएवढे ते सरासरीपेक्षा किंचित कमी राहण्याची शक्यता आहे.

**संदेश :** पुढील पाच दिवस हवामान कोरडे राहण्याची शक्यता लक्षात घेता पिकास, फळबागेत, भाजीपाला व फुल पिकास आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.

| पिकांचे नाव      | अवस्था               | कृषी हवामान सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
|------------------|----------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| कापूस            | काढणी                | कुठल्याही परिस्थितीत कापसाची फरदड (खोडवा) घेऊ नये. कापूस पिकाची शेवटची वेचणी पूर्ण झाल्यावर कापूस पिकाचा पालापाचोळा, पराट्या जमा करून त्यांची योग्य विल्हेवाट लावावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| तुर              | परिपक्वता ते काढणी   | काढणीस तयार असलेल्या तुर पिकाची काढणी करावी व मळणी करून सुरक्षित ठिकाणी साठवणूक करावी. शेंगा पोखरणान्या अळीच्या व्यवस्थापनासाठी इमामेक्टीन बेन्झोएट ५ % ४.४ ग्रॅम किंवा स्पिनोसॅड ४५ % ३ मिली किंवा इंडाक्झाकार्ब १४.५ % ८ मिली किंवा क्लोरेंट्रानिलीप्रोल १८.५% ३ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. शेंग माशीच्या व्यवस्थापनासाठी लॅमंडा सायहॅलोथ्रीन ५% ८ मिली किंवा ल्युफेन्थ्रॉन ५.४% १२ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                           |
| रब्बी ज्वारी     | वाढीची               | रब्बी ज्वारी पिकात लष्करी अळीचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास याच्या व्यवस्थापनासाठी इमामेक्टीन बेन्झोएट ५ टक्के ४ ग्रॅम किंवा स्पिनेटोरम ११.७ एससी ४ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून वरील किटकनाशकांची आलटून पालटून फवारणी करावी. फवारणी करत असतांना किटकनाशक पोंग्यात पडेल अशाप्रकारे फवारणी करावी. रब्बी ज्वारी पिकास आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| रब्बी सूर्यफूल   | वाढीची               | रब्बी सूर्यफूल पिकात आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| गहू              | वाढीची ते कांडी धरणे | पेरणी केलेल्या गहू पिकास राहिलेले अर्थे नत्र १०९ किलो यूरिया प्रति हेक्टर पेरणीनंतर २५ ते ३० दिवसांनी द्यावे. गहू पिकास कांडी धरण्याच्या अवस्थेत (पेरणी नंतर ४० ते ४५ दिवस) व पिक फुलावर असतांना (पेरणीनंतर ६५ ते ७० दिवस) पाणी द्यावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| केळी             | वाढीची / घड वाढीची   | केळी बागेचे थंडीपासून संरक्षण करण्यासाठी बागेस पहाटे मोकाट पध्दतीने पाणी द्यावे. केळी बागेत घड निसवले असल्यास केळीचे गुच्छ सच्छिद्र पॉलिथीन पिशव्याने झाकून (घडांना सकटींग करावी). खोडाभोवती किंवा बागेत सेंद्रिय पदार्थांचे आच्छादन करावे. केळी बागेत घडवाढीसाठी ००:५२:३४ विद्राव्य खताची १५ ग्रॅम प्रति लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. केळी बागेत करपा (सिंगाटोका) रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास, याच्या व्यवस्थापनासाठी प्रोपिकोनॅझोल १०% ईसी १० मिली किंवा मेटोराम ५५% + पायरॅक्लोस्ट्रोबीन ५% डब्ल्यू जी २० ग्रॅम प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                          |
| आंबा             | फुलधारणा             | आंबा बागेत रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास आवश्यकतेनुसार रोगनाशकाची फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| द्राक्ष          | घड वाढीची            | द्राक्ष घड जिब्रॅलिक ऑसिड २० मिली प्रति लिटर (२० पीपीएम) पाण्याच्या द्रावणात बूडवावेत. द्राक्ष बागेत रात्री सिंचन करावे. खोडाभोवती किंवा बागेत सेंद्रिय पदार्थांचे आच्छादन करावे. द्राक्ष बागेत पिक बेरीची समस्या होऊ नये म्हणून, द्राक्ष घड पेपरने किंवा पिशव्याने झाकून घ्यावेत.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
| सिताफळ           | वाढीची               | सिताफळ बागेत आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| भाजीपाला         | वाढीची/ काढणी        | भाजीपाला पिकात खूरपणी करून तण विरहीत ठेवावे व आवश्यकतेनुसार पाटाने पाणी द्यावे. काढणीस तयार असलेल्या भाजीपाला पिकाची काढणी करून घ्यावी. भाजीपाला (मिरची, वांगे व भेंडी) पिकात रसशोषण करणाऱ्या किडीचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास त्याच्या व्यवस्थापनासाठी पायरीप्रॉक्सीफेन ५% + फेनप्रोपाथ्रीन १५% १० मीली किंवा डायमेटोएट ३०% १३ मीली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| फुलशेती          | वाढीची/ काढणी        | फुल पिकात खूरपणी करून तण विरहीत ठेवावे व आवश्यकतेनुसार पाटाने पाणी द्यावे. काढणीस तयार असलेल्या फुल पिकाची काढणी करून घ्यावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
| पशुधन व्यवस्थापन | -----                | थंडीच्या दिवसात जेव्हा थंड वारे वाहू लागतात त्या वेळेस आपल्या जनावरांचे विशेषतः शेळी आणि मेंढी यांचे थंडीपासून संरक्षण करावे. त्याकरीता त्यांच्या निवाऱ्याच्या जागेत ऊब असावी, माफक प्रमाणात हवा खेळती असावी. नाकातून पाणी येणे, भूक मंदावणे, चालण्याकरीता कष्ट होणे ई. लक्षणे दिसू लागताच पशुवैद्यकाशी त्वरीत संपर्क साधावा. सर्वसाधारणपणे बकरीच्या पिल्लांना थंडीची बाधा लवकर होते. थंडीच्या दिवसात करंडांची मरतूक टाळण्यासाठी त्यांना ऊबदार जागेत ठेवावे. मोठ्या टोपलीत कापड टाकून त्यामध्ये पिल्लांना ठेवता येऊ शकते, थंडीपासून संरक्षण होते. गोठ्यात माफक हवा असावी. शेळीचे दुध भरपूर प्रमाणात द्यावे ज्यामुळे पिल्लांच्या शरीरात ऊर्जा निर्माण होऊन थंडीपासून बाधा होणार नाही. |

सदर कृषी हवामान सल्ला पत्रिका वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी येथील ग्रामीण कृषी मौसम सेवा योजनेतील तज्ञ समितीच्या शिफारशीवरून तयार करून प्रसारित करण्यात आली.



जालना जिल्हा कृषि हवामान सल्ला पत्रक क्रमांक - ८१/२०२५-२०२६ मंगळवार, दिनांक - ०६.०१.२०२६

| मागील आठवड्यातील हवामानस्थिती<br>(दिनांक ३१ डिसेंबर २०२५ ते ०६ जानेवारी, २०२६) |       |       |       |       |       |       | हवामान घटक                   | हवामान अंदाज<br>(दिनांक ०७ ते ११ जानेवारी २०२६, साठी हवामान अंदाज) |              |        |              |        |
|--------------------------------------------------------------------------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|------------------------------|--------------------------------------------------------------------|--------------|--------|--------------|--------|
| ३१/१२                                                                          | ०१/०१ | ०२/०१ | ०३/०१ | ०४/०१ | ०५/०१ | ०६/०१ | दिनांक                       | ०७/०१                                                              | ०८/०१        | ०९/०१  | १०/०१        | ११/०१  |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | पाऊस (मिमी)                  | ०.०                                                                | ०.०          | ०.०    | ०.०          | ०.०    |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | कमाल तापमान (अं.से)          | २७.०                                                               | २७.०         | २८.०   | २८.०         | २९.०   |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | किमान तापमान (अं.से)         | १३.०                                                               | १३.०         | १३.०   | १४.०         | १५.०   |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | स. ढग स्थिती (आकाश)          | स्वच्छ                                                             | स्वच्छ       | स्वच्छ | अंशतः ढगाळ   | स्वच्छ |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%)  | ८०                                                                 | ६१           | ६२     | ६५           | ६५     |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ५४                                                                 | ४८           | ४७     | ४९           | ४७     |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | वाऱ्याचा वेग (किमी /तास )    | ८                                                                  | ९            | ९      | ९            | ९      |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | स. वाऱ्याची दिशा             | पूर्व-आग्नेय                                                       | पूर्व-आग्नेय | आग्नेय | पूर्व-आग्नेय | आग्नेय |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | दु.                          |                                                                    |              |        |              |        |

**हवामान सारांश / चेतावनी :**

प्रादेशिक हवामान केंद्र, मुंबई येथून प्राप्त झालेल्या अंदाजानुसार जालना जिल्ह्यात पुढील चार दिवस हवामान स्वच्छ व कोरडे राहण्याची शक्यता आहे. जालना जिल्ह्यात पुढील तीन दिवसात कमाल तापमानात फारशी तफावत जाणवत नाही व त्यानंतर हळूहळू किंचित वाढ होण्याची तर पुढील दोन दिवसात किमान तापमानात फारशी तफावत जाणवत नाही व त्यानंतर हळूहळू २ ते ३ अं.से. ने वाढ होण्याची शक्यता आहे.

**सामान्य सल्ला :**

विस्तारीत अंदाजानुसार (ईआरएफएस) मराठवाड्यात दिनांक ०९ ते १५ जानेवारी २०२६ दरम्यान पाऊस सरासरीपेक्षा कमी, कमाल तापमान सरासरीएवढे ते सरासरीपेक्षा कमी व किमान तापमान सरासरीएवढे ते सरासरीपेक्षा किंचित कमी राहण्याची शक्यता आहे.

संदेश : पुढील पाच दिवस हवामान कोरडे राहण्याची शक्यता लक्षात घेता पिकास, फळबागेत, भाजीपाला व फुल पिकास आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.

| पिकांचे नाव      | अवस्था               | कृषी हवामान सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
|------------------|----------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| कापूस            | काढणी                | कुठल्याही परिस्थितीत कापसाची फरदड (खोडवा) घेऊ नये. कापूस पिकाची शेवटची वेचणी पूर्ण झाल्यावर कापूस पिकाचा पालापाचोळा, पराट्या जमा करून त्यांची योग्य विल्हेवाट लावावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| तूर              | परिपक्वता ते काढणी   | काढणीस तयार असलेल्या तूर पिकाची काढणी करावी व मळणी करून सुरक्षित ठिकाणी साठवणूक करावी. शेंगा पोखरणान्या अळीच्या व्यवस्थापनासाठी इमामेक्टीन बेन्झोएट ५ % ४.४ ग्रॅम किंवा स्पिनोसॅड ४५ % ३ मिली किंवा इंडाक्झाकार्ब १४.५ % ८ मिली किंवा क्लोरेंट्रानिलीप्रोल १८.५% ३ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. शेंग माशीच्या व्यवस्थापनासाठी लॅमंडा सायहॅलोथ्रीन ५% ८ मिली किंवा ल्युफेन्थ्रॉन ५.४% १२ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                           |
| रब्बी ज्वारी     | वाढीची               | रब्बी ज्वारी पिकात लष्करी अळीचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास याच्या व्यवस्थापनासाठी इमामेक्टीन बेन्झोएट ५ टक्के ४ ग्रॅम किंवा स्पिनेटोरम ११.७ एससी ४ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून वरील किटकनाशकांची आलटून पालटून फवारणी करावी. फवारणी करत असतांना किटकनाशक पोंग्यात पडेल अशाप्रकारे फवारणी करावी. रब्बी ज्वारी पिकास आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| रब्बी सूर्यफूल   | वाढीची               | रब्बी सूर्यफूल पिकात आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| गहू              | वाढीची ते कांडी धरणे | पेरणी केलेल्या गहू पिकास राहिलेले अर्थे नत्र १०९ किलो यूरिया प्रति हेक्टर पेरणीनंतर २५ ते ३० दिवसांनी द्यावे. गहू पिकास कांडी धरण्याच्या अवस्थेत (पेरणी नंतर ४० ते ४५ दिवस) व पिक फुलावर असतांना (पेरणीनंतर ६५ ते ७० दिवस) पाणी द्यावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| केळी             | वाढीची / घड वाढीची   | केळी बागेचे थंडीपासून संरक्षण करण्यासाठी बागेस पहाटे मोकाट पद्धतीने पाणी द्यावे. केळी बागेत घड निसवले असल्यास केळीचे गुच्छ सच्छिद्र पॉलिथीन पिशव्याने झाकून (घडांना सकटींग करावी). खोडाभोवती किंवा बागेत सेंद्रिय पदार्थाचे आच्छादन करावे. केळी बागेत घडवाढीसाठी ००:५२:३४ विद्राव्य खताची १५ ग्रॅम प्रति लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. केळी बागेत करपा (सिंगाटोका) रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास, याच्या व्यवस्थापनासाठी प्रोपिकोन्झोल १०% ईसी १० मिली किंवा मेटोराम ५५% + पायरेक्लोस्ट्रोबीन ५% डब्ल्यू जी २० ग्रॅम प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                           |
| आंबा             | फुलधारणा             | आंबा बागेत रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास आवश्यकतेनुसार रोगनाशकाची फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| द्राक्ष          | घड वाढीची            | द्राक्ष घड जिब्रॅलिक २० मिली प्रति लिटर (२० पीपीएम) पाण्याच्या द्रावणात बूडवावेत. द्राक्ष बागेत रात्री सिंचन करावे. खोडाभोवती किंवा बागेत सेंद्रिय पदार्थाचे आच्छादन करावे. द्राक्ष बागेत पिक बेरीची समस्या होऊ नये म्हणून, द्राक्ष घड पेपरने किंवा पिशव्याने झाकून घ्यावेत.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| सिताफळ           | वाढीची               | सिताफळ बागेत आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| भाजीपाला         | वाढीची/ काढणी        | भाजीपाला पिकात खूरपणी करून तण विरहीत ठेवावे व आवश्यकतेनुसार पाटाने पाणी द्यावे. काढणीस तयार असलेल्या भाजीपाला पिकाची काढणी करून घ्यावी. भाजीपाला (मिरची, वांगे व भेंडी) पिकात रसशोषण करणाऱ्या किडीचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास त्याच्या व्यवस्थापनासाठी पायरीप्रॉक्सीफेन ५% + फेनप्रोपाथ्रीन १५% १० मीली किंवा डायमेटोएट ३०% १३ मीली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| फुलशेती          | वाढीची/ काढणी        | फुल पिकात खूरपणी करून तण विरहीत ठेवावे व आवश्यकतेनुसार पाटाने पाणी द्यावे. काढणीस तयार असलेल्या फुल पिकाची काढणी करून घ्यावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
| पशुधन व्यवस्थापन | -----                | थंडीच्या दिवसात जेव्हा थंड वारे वाहू लागतात त्या वेळेस आपल्या जनावरांचे विशेषतः शेळी आणि मेंढी यांचे थंडीपासून संरक्षण करावे. त्याकरीता त्यांच्या निवाऱ्याच्या जागेत ऊब असावी, माफक प्रमाणात हवा खेळती असावी. नाकातून पाणी येणे, भूक मंदावणे, चालण्याकरीता कष्ट होणे ई. लक्षणे दिसू लागतात पशुवैद्यकाशी त्वरीत संपर्क साधावा. सर्वसाधारणपणे बकरीच्या पिल्लांना थंडीची बाधा लवकर होते. थंडीच्या दिवसात करंडांची मरतूक टाळण्यासाठी त्यांना ऊबदार जागेत ठेवावे. मोठ्या टोपलीत कापड टाकून त्यामध्ये पिल्लांना ठेवता येऊ शकते, थंडीपासून संरक्षण होते. गोठ्यात माफक हवा असावी. शेळीचे दुध भरपूर प्रमाणात द्यावे ज्यामुळे पिल्लांच्या शरीरात ऊर्जा निर्माण होऊन थंडीपासून बाधा होणार नाही. |

सदर कृषी हवामान सल्ला पत्रिका वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी येथील ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजनेतील तज्ञ समितीच्या शिफारशीवरून तयार करून प्रसारित करण्यात आली.



**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**  
**अखिल भारतीय समन्वयित कृषि हवामानशास्त्र संशोधन प्रकल्प**  
**वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी - ४३१ ४०२**  
**ईमेल - amfuparbhani@gmail.com**



**लातूर जिल्हा कृषि हवामान सल्ला पत्रक क्रमांक - ८१/२०२५-२०२६ मंगळवार, दिनांक - ०६.०१.२०२६**

| मागील आठवड्यातील हवामानस्थिती<br>(दिनांक ३१ डिसेंबर २०२५ ते ०६ जानेवारी, २०२६) |       |       |       |       |       |       | हवामान घटक                   | हवामान अंदाज<br>(दिनांक ०७ ते ११ जानेवारी २०२६, साठी हवामान अंदाज) |              |            |            |            |
|--------------------------------------------------------------------------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|------------------------------|--------------------------------------------------------------------|--------------|------------|------------|------------|
| ३१/१२                                                                          | ०१/०१ | ०२/०१ | ०३/०१ | ०४/०१ | ०५/०१ | ०६/०१ | दिनांक                       | ०७/०१                                                              | ०८/०१        | ०९/०१      | १०/०१      | ११/०१      |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | पाऊस (मिमी)                  | ०.०                                                                | ०.०          | ०.०        | ०.०        | ०.०        |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | कमाल तापमान (अं.से.)         | २८.०                                                               | २८.०         | २९.०       | २९.०       | ३०.०       |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | किमान तापमान (अं.से.)        | १३.०                                                               | १३.०         | १४.०       | १४.०       | १५.०       |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | स. ढग स्थिती (आकाश)          | स्वच्छ                                                             | स्वच्छ       | अंशतः ढगाळ | अंशतः ढगाळ | अंशतः ढगाळ |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%)  | ८१                                                                 | ६९           | ७१         | ७०         | ६५         |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ५०                                                                 | ४६           | ४७         | ४७         | ४६         |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | वाऱ्याचा वेग (किमी/तास)      | ९                                                                  | १०           | १०         | ९          | ८          |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | स. वाऱ्याची दिशा             | पूर्व-आग्नेय                                                       | पूर्व-आग्नेय | आग्नेय     | आग्नेय     | पूर्व      |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | दु.                          |                                                                    |              |            |            |            |

**हवामान सारांश / चेतावनी :**

प्रादेशिक हवामान केंद्र, मुंबई येथून प्राप्त झालेल्या अंदाजानुसार लातूर जिल्ह्यात पुढील चार दिवस हवामान स्वच्छ व कोरडे राहण्याची शक्यता आहे. लातूर जिल्ह्यात पुढील तीन दिवसात कमाल तापमानात फारशी तफावत जाणवत नाही व त्यानंतर हळूहळू किंचित वाढ होण्याची तर पुढील दोन दिवसात किमान तापमानात फारशी तफावत जाणवत नाही व त्यानंतर हळूहळू २ ते ३ अं.से. ने वाढ होण्याची शक्यता आहे.

**सामान्य सल्ला :**

विस्तारीत अंदाजानुसार (ईआरएफएस) मराठवाड्यात दिनांक ०९ ते १५ जानेवारी २०२६ दरम्यान पाऊस सरासरीपेक्षा कमी, कमाल तापमान सरासरीएवढे ते सरासरीपेक्षा कमी व किमान तापमान सरासरीएवढे ते सरासरीपेक्षा किंचित कमी राहण्याची शक्यता आहे.

**संदेश :** पुढील पाच दिवस हवामान कोरडे राहण्याची शक्यता लक्षात घेता पिकास, फळबागेत, भाजीपाला व फुल पिकास आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.

| पिकांचे नाव      | अवस्था               | कृषी हवामान सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
|------------------|----------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| कापूस            | काढणी                | कुठल्याही परिस्थितीत कापसाची फरदड (खोडवा) घेऊ नये. कापूस पिकाची शेवटची वेचणी पूर्ण झाल्यावर कापूस पिकाचा पालापाचोळा, पराट्या जमा करून त्यांची योग्य विव्हेवाट लावावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| तुर              | परिपक्वता ते काढणी   | काढणीस तयार असलेल्या तुर पिकाची काढणी करावी व मळणी करून सुरक्षित ठिकाणी साठवणूक करावी. शेंगा पोखरणान्या अळीच्या व्यवस्थापनासाठी इमामेक्टीन बेन्झोएट ५% ४.४ ग्रॅम किंवा स्पिनोसॅड ४५% ३ मिली किंवा इंडाक्झाकार्ब १४.५% ८ मिली किंवा क्लोरेंट्रानिलीप्रोल १८.५% ३ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. शेंग माशीच्या व्यवस्थापनासाठी लॅमंडा सायहॅलोथ्रीन ५% ८ मिली किंवा ल्युफेन्थुरॉन ५.४% १२ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                              |
| रब्बी ज्वारी     | वाढीची               | रब्बी ज्वारी पिकात लष्करी अळीचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास याच्या व्यवस्थापनासाठी इमामेक्टीन बेन्झोएट ५ टक्के ४ ग्रॅम किंवा स्पिनोरोम ११.७ एससी ४ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून वरील किटकनाशकांची आलटून पालटून फवारणी करावी. फवारणी करत असतांना किटकनाशक पोंग्यात पडेल अशाप्रकारे फवारणी करावी. रब्बी ज्वारी पिकास आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
| रब्बी सूर्यफूल   | वाढीची               | रब्बी सूर्यफूल पिकात आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| गहू              | वाढीची ते कांडी धरणे | पेरणी केल्या गहू पिकास राहिलेले अर्थे नत्र १०९ किलो यूरिया प्रति हेक्टर पेरणीनंतर २५ ते ३० दिवसांनी द्यावे. गहू पिकास कांडी धरण्याच्या अवस्थेत (पेरणी नंतर ४० ते ४५ दिवस) व पिक फुलावर असतांना (पेरणीनंतर ६५ ते ७० दिवस) पाणी द्यावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| केळी             | वाढीची / घड वाढीची   | केळी बागेचे थंडीपासून संरक्षण करण्यासाठी बागेस पहाटे मोकाट पध्दतीने पाणी द्यावे. केळी बागेत घड निसवले असल्यास केळीचे गुच्छ सच्छिद्र पॉलथीन पिशव्याने झाकून (घडांना सक्टींग करावी). खोडाभोवती किंवा बागेत सेंद्रिय पदार्थाचे आच्छादन करावे. केळी बागेत घडवाढीसाठी ००:५२:३४ विद्राव्य खताची १५ ग्रॅम प्रति लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. केळी बागेत करपा (सिंगाटोका) रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास, याच्या व्यवस्थापनासाठी प्रोपिकोनॅझोल १०% ईसी १० मिली किंवा मेटोराम ५५% + पायरेक्लोस्ट्रोबीन ५% डब्ल्यू जी २० ग्रॅम प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                           |
| आंबा             | फुलधारणा             | आंबा बागेत रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास आवश्यकतेनुसार रोगनाशकाची फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| द्राक्ष          | घड वाढीची            | द्राक्ष घड जिब्रॅलिक ऑसिड २० मिली प्रति लिटर ( २० पीपीएम) पाण्याच्या द्रावणात बूडवावेत. द्राक्ष बागेत रात्री सिंचन करावे. खोडाभोवती किंवा बागेत सेंद्रिय पदार्थाचे आच्छादन करावे. द्राक्ष बागेत पिक बेरीची समस्या होऊ नये म्हणून, द्राक्ष घड पेपरने किंवा पिशव्याने झाकून घ्यावेत.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
| सिताफळ           | वाढीची               | सिताफळ बागेत आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| भाजीपाला         | वाढीची/ काढणी        | भाजीपाला पिकात खूपणी करून तण विरहीत ठेवावे व आवश्यकतेनुसार पाटाने पाणी द्यावे. काढणीस तयार असलेल्या भाजीपाला पिकाची काढणी करून घ्यावी. भाजीपाला (मिरची, वांगे व भेंडी) पिकात रसशोषण करणाऱ्या किडीचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास त्याच्या व्यवस्थापनासाठी पायरीप्रॉक्सीफेन ५% + फेनप्रोपाथ्रीन १५% १० मीली किंवा डायमेटोएट ३०% १३ मीली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
| फुलशेती          | वाढीची/ काढणी        | फुल पिकात खूपणी करून तण विरहीत ठेवावे व आवश्यकतेनुसार पाटाने पाणी द्यावे. काढणीस तयार असलेल्या फुल पिकाची काढणी करून घ्यावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| पशुधन व्यवस्थापन | -----                | थंडीच्या दिवसात जेव्हा थंड वारे वाहू लागतात त्या वेळेस आपल्या जनावरांचे विशेषतः शेळी आणि मेंढी यांचे थंडीपासून संरक्षण करावे. त्याकरीता त्यांच्या निवाऱ्याच्या जागेत ऊब असावी, माफक प्रमाणात हवा खेळती असावी. नाकातून पाणी येणे, भूक मंदावणे, चालण्याकरीता कष्ट होणे ई. लक्षणे दिसू लागतात पशुवैद्यकाशी त्वरीत संपर्क साधावा. सर्वसाधारणपणे बकरीच्या पिल्लांना थंडीची बाधा लवकर होते. थंडीच्या दिवसात करंडांची मरतुक टाळण्यासाठी त्यांना ऊबदार जागेत ठेवावे. मोठ्या टोपलीत कापड टाकून त्यामध्ये पिल्लांना ठेवता येऊ शकते, थंडीपासून संरक्षण होते. गोठ्यात माफक हवा असावी. शेळीचे दुध भरपूर प्रमाणात द्यावे ज्यामुळे पिल्लांच्या शरीरात ऊर्जा निर्माण होऊन थंडीपासून बाधा होणार नाही. |

सदर कृषी हवामान सल्ला पत्रिका वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषी विद्यापीठ, परभणी येथील ग्रामीण कृषी मौसम सेवा योजनेतील तज्ञ समितीच्या शिफारशीवरून तयार करून प्रसारित करण्यात आली.

मुख्य प्रकल्प समन्वयक  
 ग्रामीण कृषी मौसम सेवा  
 वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषी विद्यापीठ, परभणी





**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**  
अखिल भारतीय समन्वयित कृषि हवामानशास्त्र संशोधन प्रकल्प  
वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी — ४३१ ४०२  
ईमेल - amfuparbhani@gmail.com



**नांदेड जिल्हा कृषि हवामान सल्ला पत्रक क्रमांक — ८१/२०२५-२०२६ मंगळवार, दिनांक — ०६.०१.२०२६**

| मागील आठवड्यातील हवामानस्थिती<br>(दिनांक ३१ डिसेंबर २०२५ ते ०६ जानेवारी, २०२६) |       |       |       |       |       |       | हवामान घटक                   | हवामान अंदाज<br>(दिनांक ०७ ते ११ जानेवारी २०२६, साठी हवामान अंदाज) |        |              |               |               |
|--------------------------------------------------------------------------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|------------------------------|--------------------------------------------------------------------|--------|--------------|---------------|---------------|
| ३१/१२                                                                          | ०१/०१ | ०२/०१ | ०३/०१ | ०४/०१ | ०५/०१ | ०६/०१ | दिनांक                       | ०७/०१                                                              | ०८/०१  | ०९/०१        | १०/०१         | ११/०१         |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | पाऊस (मिमी)                  | ०.०                                                                | ०.०    | ०.०          | ०.०           | ०.०           |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | कमाल तापमान (अं.से.)         | ३०.०                                                               | ३०.०   | ३०.०         | ३०.०          | ३१.०          |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | किमान तापमान (अं.से.)        | १२.०                                                               | १२.०   | १३.०         | १३.०          | १४.०          |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | स. ढग स्थिती<br>(आकाश)       | स्वच्छ                                                             | स्वच्छ | स्वच्छ       | अंशतः<br>ढगाळ | अंशतः<br>ढगाळ |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%)  | ७३                                                                 | ६२     | ६३           | ५९            | ६१            |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ५६                                                                 | ५४     | ५५           | ५५            | ५४            |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | वाऱ्याचा वेग (किमी/तास)      | ६                                                                  | ६      | ६            | ७             | ७             |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | स. वाऱ्याची दिशा             | पूर्व-ईशान्य                                                       | पूर्व  | पूर्व-आग्नेय | पूर्व         | पूर्व         |
|                                                                                |       |       |       |       |       |       | दु.                          |                                                                    |        |              |               |               |

**हवामान सारांश / चेतावनी :**

प्रादेशिक हवामान केंद्र, मुंबई येथून प्राप्त झालेल्या अंदाजानुसार नांदेड जिल्ह्यात पुढील चार दिवस हवामान स्वच्छ व कोरडे राहण्याची शक्यता आहे. नांदेड जिल्ह्यात पुढील तीन दिवसात कमाल तापमानात फारशी तफावत जाणवना नही व त्यानंतर हळूहळू किंचित वाढ होण्याची तर पुढील दोन दिवसात किमान तापमानात फारशी तफावत जाणवना नही व त्यानंतर हळूहळू २ ते ३ अं.से. ने वाढ होण्याची शक्यता आहे.

**सामान्य सल्ला :**

विस्तारीत अंदाजानुसार (ईआरएफएस) मराठवाड्यात दिनांक ०९ ते १५ जानेवारी २०२६ दरम्यान पाऊस सरासरीपेक्षा कमी, कमाल तापमान सरासरीएवढे ते सरासरीपेक्षा कमी व किमान तापमान सरासरीएवढे ते सरासरीपेक्षा किंचित कमी राहण्याची शक्यता आहे.

**संदेश :** पुढील पाच दिवस हवामान कोरडे राहण्याची शक्यता लक्षात घेता पिकास, फळबागेत, भाजीपाला व फुल पिकास आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.

| पिकांचे नाव      | अवस्था               | कृषी हवामान सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
|------------------|----------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| कापूस            | काढणी                | कुठल्याही परिस्थितीत कापसाची फरदड (खोडवा) घेऊ नये. कापूस पिकाची शेवटची वेचणी पूर्ण झाल्यावर कापूस पिकाचा पालापाचोळा, पराट्या जमा करून त्यांची योग्य विल्हेवाट लावावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| तुर              | परिपक्वता ते काढणी   | काढणीस तयार असलेल्या तुर पिकाची काढणी करावी व मळणी करून सुरक्षित ठिकाणी साठवणूक करावी. शेंगा पोखरणान्या अळीच्या व्यवस्थापनासाठी इमामेक्टीन बेन्झोएट ५ % ४.४ ग्रॅम किंवा स्पिनोसॅड ४५ % ३ मिली किंवा इंडाक्झाकार्ब १४.५ % ८ मिली किंवा क्लोरेंट्रानिलीप्रोल १८.५% ३ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. शेंग माशीच्या व्यवस्थापनासाठी लॅमडा सायहॅलोथ्रीन ५% ८ मिली किंवा ल्युफेन्थ्रॉन ५.४% १२ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                            |
| रब्बी ज्वारी     | वाढीची               | रब्बी ज्वारी पिकात लष्करी अळीचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास याच्या व्यवस्थापनासाठी इमामेक्टीन बेन्झोएट ५ टक्के ४ ग्रॅम किंवा स्पिनेटोरम ११.७ एससी ४ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून वरील किटकनाशकांची आलटून पालटून फवारणी करावी. फवारणी करत असतांना किटकनाशक पोंग्यात पडेल अशाप्रकारे फवारणी करावी. रब्बी ज्वारी पिकास आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| रब्बी सूर्यफुल   | वाढीची               | रब्बी सूर्यफुल पिकात आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| गहू              | वाढीची ते कांडी धरणे | पेरणी केलेल्या गहू पिकास राहिलेले अर्थे नत्र १०९ किलो यूरिया प्रति हेक्टर पेरणीनंतर २५ ते ३० दिवसांनी द्यावे. गहू पिकास कांडी धरण्याच्या अवस्थेत (पेरणी नंतर ४० ते ४५ दिवस) व पिक फुलावर असतांना (पेरणीनंतर ६५ ते ७० दिवस) पाणी द्यावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| केळी             | वाढीची / घड वाढीची   | केळी बागेचे थंडीपासून संरक्षण करण्यासाठी बागेस पहाटे मोकाट पध्दतीने पाणी द्यावे. केळी बागेत घड निसवले असल्यास केळीचे गुच्छ सच्छिद्र पॉलिथीन पिशव्याने झाकून (घडांना सर्किंग करावी). खोडाभोवती किंवा बागेत सेंद्रिय पदार्थांचे आच्छादन करावे. केळी बागेत घडवाढीसाठी ००:५२:३४ विद्राव्य खताची १५ ग्रॅम प्रति लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. केळी बागेत करपा (सिगाटोका) रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास, याच्या व्यवस्थापनासाठी प्रोपिकोनॅझोल १०% ईसी १० मिली किंवा मेटेरीम ५५% + पायरेक्लोस्ट्रोबीन ५% डब्ल्यू जी २० ग्रॅम प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                          |
| आंबा             | फुलधारणा             | आंबा बागेत रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास आवश्यकतेनुसार रोगनाशकाची फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| द्राक्ष          | घड वाढीची            | द्राक्ष घड जिब्रॅलिक ऑसिड २० मिली प्रति लिटर (२० पीपीएम) पाण्याच्या द्रावणात बुडवावेत. द्राक्ष बागेत रात्री सिंचन करावे. खोडाभोवती किंवा बागेत सेंद्रिय पदार्थांचे आच्छादन करावे. द्राक्ष बागेत पिक बेरीची समस्या होऊ नये म्हणून, द्राक्ष घड पेपरने किंवा पिशव्याने झाकून घ्यावेत.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
| सिताफळ           | वाढीची               | सिताफळ बागेत आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| भाजीपाला         | वाढीची/ काढणी        | भाजीपाला पिकात खूरपणी करून तण विरहीत ठेवावे व आवश्यकतेनुसार पाटाने पाणी द्यावे. काढणीस तयार असलेल्या भाजीपाला पिकाची काढणी करून घ्यावी. भाजीपाला (मिरची, वांगे व भेंडी) पिकात रसशोषण करणाऱ्या किडीचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास त्याच्या व्यवस्थापनासाठी पायरीप्रॉक्सीफेन ५% + फेनप्रोपाथ्रीन १५% १० मीली किंवा डायमेथोएट ३०% १३ मीली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| फुलशेती          | वाढीची/ काढणी        | फुल पिकात खूरपणी करून तण विरहीत ठेवावे व आवश्यकतेनुसार पाटाने पाणी द्यावे. काढणीस तयार असलेल्या फुल पिकाची काढणी करून घ्यावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
| पशुधन व्यवस्थापन | -----                | थंडीच्या दिवसात जेव्हा थंड वारे वाहू लागतात त्या वेळेस आपल्या जनावरांचे विशेषतः शेळी आणि मेंढी यांचे थंडीपासून संरक्षण करावे. त्याकरीता त्यांच्या निवाऱ्याच्या जागेत ऊब असावी, माफक प्रमाणात हवा खेळती असावी. नाकातून पाणी येणे, भूक मंदावणे, चालण्याकरीता कष्ट होणे ई. लक्षणे दिसू लागतात पशुवैद्यकाशी त्वरीत संपर्क साधावा. सर्वसाधारणपणे बकरीच्या पिल्लांना थंडीची बाधा लवकर होते. थंडीच्या दिवसात करंडांची मरतुक टाळण्यासाठी त्यांना ऊबदार जागेत ठेवावे. मोठ्या टोपलीत कापड टाकून त्यामध्ये पिल्लांना ठेवता येऊ शकते, थंडीपासून संरक्षण होते. गोठ्यात माफक हवा असावी. शेळीचे दुध भरपूर प्रमाणात द्यावे ज्यामुळे पिल्लांच्या शरीरात ऊर्जा निर्माण होऊन थंडीपासून बाधा होणार नाही. |

सदर कृषी हवामान सल्ला पत्रिका वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी येथील ग्रामीण कृषी मौसम सेवा योजनेतील तज्ञ समितीच्या शिफारशीवरून तयार करून प्रसारित करण्यात आली.

मुख्य प्रकल्प समन्वयक  
ग्रामीण कृषी मौसम सेवा  
वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा  
अखिल भारतीय समन्वयित कृषि हवामानशास्त्र संशोधन प्रकल्प  
वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी - ४३१ ४०२  
ईमेल - amfuparbhani@gmail.com



परभणी जिल्हा कृषि हवामान सल्ला पत्रक क्रमांक - ८१/२०२५-२०२६ मंगळवार, दिनांक - ०६.०१.२०२६

| मागील आठवड्यातील हवामानस्थिती<br>(दिनांक ३१ डिसेंबर २०२५ ते ०६ जानेवारी, २०२६) |                   |                   |                 |                   |                                       |       | हवामान घटक                   |                                       | हवामान अंदाज<br>(दिनांक ०७ ते ११ जानेवारी २०२६, साठी हवामान अंदाज) |              |               |                  |                  |
|--------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------------|-----------------|-------------------|---------------------------------------|-------|------------------------------|---------------------------------------|--------------------------------------------------------------------|--------------|---------------|------------------|------------------|
| ३१/१२                                                                          | ०१/०१             | ०२/०१             | ०३/०१           | ०४/०१             | ०५/०१                                 | ०६/०१ | दिनांक                       |                                       | ०७/०१                                                              | ०८/०१        | ०९/०१         | १०/०१            | ११/०१            |
| ०.०                                                                            | ०.०               | ०.०               | ०.०             | ०.०               | ०.०                                   | ०.०   | पाऊस (मिमी)                  |                                       | ०.०                                                                | ०.०          | ०.०           | ०.०              | ०.०              |
| २९.४                                                                           | २८.९              | २९.८              | २८.२            | २८.६              | २७.६                                  |       | कमाल तापमान (अं .से)         |                                       | २८.०                                                               | २९.०         | २९.०          | २९.०             | ३०.०             |
| ७.५                                                                            | ९.०               | ११.४              | १३.९            | १३.५              | १२.९                                  | १०.०  | किमान तापमान (अं .से)        |                                       | १३.०                                                               | १२.०         | १२.०          | १३.०             | १४.०             |
| अंशतः<br>ढगाळ                                                                  | ढगाळ              | ढगाळ              | पूर्णतः<br>ढगाळ | पूर्णतः<br>ढगाळ   | पूर्णतः<br>ढगाळ                       | ढगाळ  | स.                           | ढग स्थिती (आकाश)                      | स्वच्छ                                                             | स्वच्छ       | अंशतः<br>ढगाळ | अंशतः<br>ढगाळ    | स्वच्छ           |
| स्वच्छ                                                                         | स्वच्छ            | ढगाळ              | ढगाळ            | ढगाळ              | ढगाळ                                  |       | दु.                          |                                       |                                                                    |              |               |                  |                  |
| ८९                                                                             | ९२                | ८६                | ९३              | ९१                | ८९                                    | ९३    | सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%)  |                                       | ७३                                                                 | ५६           | ५६            | ६२               | ६०               |
| २६                                                                             | २४                | ४५                | ४४              | ४०                | ४६                                    |       | दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) |                                       | ५६                                                                 | ५१           | ५१            | ५१               | ५१               |
| २.०                                                                            | १.७               | २.३               | २.०             | १.८               | १.८                                   | १.९   | वाऱ्याचा वेग (किमी /तास )    |                                       | ६                                                                  | ९            | ९             | ८                | ८                |
| शांत                                                                           | पश्चिम-<br>वायव्य | पश्चिम            | शांत            | शांत              | उत्तर                                 | शांत  | स.                           | वाऱ्याची दिशा                         | पूर्व-आग्नेय                                                       | पूर्व-आग्नेय | आग्नेय        | पूर्व-<br>आग्नेय | पूर्व-<br>आग्नेय |
| पश्चिम-<br>वायव्य                                                              | पूर्व-<br>ईशान्य  | पश्चिम-<br>नैऋत्य | उत्तर           | पश्चिम-<br>वायव्य | पश्चिम-<br>वायव्य                     |       | दु.                          |                                       |                                                                    |              |               |                  |                  |
| पाऊस (मिमी) मागील आठवड्यातील                                                   |                   |                   |                 |                   | पाऊस (मिमी) ०१/०१/२०२६ पासुन आजपर्यंत |       |                              | पाऊस (मिमी) ०१/०६/२०२५ पासुन आजपर्यंत |                                                                    |              |               |                  |                  |
| ०.०                                                                            |                   |                   |                 |                   | ०.०                                   |       |                              | ११५१.२                                |                                                                    |              |               |                  |                  |

**हवामान सारांश / चेतावनी :**

प्रादेशिक हवामान केंद्र, मुंबई येथून प्राप्त झालेल्या अंदाजानुसार परभणी जिल्ह्यात पुढील चार दिवस हवामान स्वच्छ व कोरडे राहण्याची शक्यता आहे. परभणी जिल्ह्यात पुढील तीन दिवसात कमाल तापमानात फारशी तफावत जाणवत नाही व त्यानंतर हळूहळू किंचित वाढ होण्याची तर पुढील दोन दिवसात किमान तापमानात फारशी तफावत जाणवत नाही व त्यानंतर हळूहळू २ ते ३ अं.से. ने वाढ होण्याची शक्यता आहे.

**सामान्य सल्ला :**

विस्तारीत अंदाजानुसार (ईआरएफएस) मराठवाड्यात दिनांक ०९ ते १५ जानेवारी २०२६ दरम्यान पाऊस सरासरीपेक्षा कमी, कमाल तापमान सरासरीएवढे ते सरासरीपेक्षा कमी व किमान तापमान सरासरीएवढे ते सरासरीपेक्षा किंचित कमी राहण्याची शक्यता आहे.

**संदेश :** पुढील पाच दिवस हवामान कोरडे राहण्याची शक्यता लक्षात घेता पिकास, फळबागेत, भाजीपाला व फुल पिकास आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.

| पिकांचे नाव      | अवस्था              | कृषी हवामान सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
|------------------|---------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| कापूस            | काढणी               | कुठल्याही परिस्थितीत कापसाची फरदड (खोडवा) घेऊ नये. कापूस पिकाची शेवटची वेचणी पूर्ण झाल्यावर कापूस पिकाचा पालापाचोळा, पराट्या जमा करून त्यांची योग्य विल्हेवाट लावावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| तूर              | परिपक्वता ते काढणी  | काढणीस तयार असलेल्या तूर पिकाची काढणी करावी व मळणी करून सुरक्षित ठिकाणी साठवणूक करावी. शेंगा पोखरणान्या अळीच्या व्यवस्थापनासाठी इमामेक्टीन बेन्झोएट ५% ४.४ ग्रॅम किंवा स्पिनोसॅड ४५% ३ मिली किंवा इंडाक्झाकार्ब १४.५% ८ मिली किंवा क्लोरेंट्रानिलीप्रोल १८.५% ३ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. शेंग माशीच्या व्यवस्थापनासाठी लॅमडा सायहॅलोग्रीन ५% ८ मिली किंवा ल्युफेन्युरॉन ५.४% १२ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                               |
| रब्बी ज्वारी     | वाढीची              | रब्बी ज्वारी पिकात लष्करी अळीचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास याच्या व्यवस्थापनासाठी इमामेक्टीन बेन्झोएट ५ टक्के ४ ग्रॅम किंवा स्पिनेटोरम ११.७ एससी ४ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून वरील कटकनाशकांची आलटून पालटून फवारणी करावी. फवारणी करत असतांना कटकनाशक पोंग्यात पडेल अशाप्रकारे फवारणी करावी. रब्बी ज्वारी पिकास आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
| रब्बी सूर्यफुल   | वाढीची              | रब्बी सूर्यफुल पिकात आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| गहू              | वाढीची ते काडी धरणे | पेरणी केलेल्या गहू पिकास राहिलेले अर्धे नत्र १०९ किलो यूरिया प्रति हेक्टर पेरणीनंतर २५ ते ३० दिवसांनी द्यावे. गहू पिकास काडी धरण्याच्या अवस्थेत (पेरणी नंतर ४० ते ४५ दिवस) व पिक फुलावर असतांना (पेरणीनंतर ६५ ते ७० दिवस) पाणी द्यावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| केळी             | वाढीची / घड वाढीची  | केळी बागेचे थंडीपासून संरक्षण करण्यासाठी बागेस पहाट मोकाट पध्दतीने पाणी द्यावे. केळी बागेत घड निसवले असल्यास केळीचे गुच्छ सच्छिद्र पॉल्लिथोन पिशव्याने झाकून (घडांना सर्दीत करावी). खोडाभोवती किंवा बागेत सेंद्रिय पदार्थाचे आच्छादन करावे. केळी बागेत घडवाढीसाठी ००:५२:३४ विद्राव्य खताची १५ ग्रॅम प्रति लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. केळी बागेत करपा (सिंगाटोका) रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास, याच्या व्यवस्थापनासाठी प्रोपिकोनॅझोल १०% ईसी १० मिली किंवा मेटोराम ५५% + पायरॅक्लोस्ट्रोबीन ५% डब्ल्यू जी २० ग्रॅम प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                          |
| आंबा             | फुलधारणा            | आंबा बागेत रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास आवश्यकतेनुसार रोगनाशकाची फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| द्राक्ष          | घड वाढीची           | द्राक्ष घड जिब्रॅलिक अॅसिड २० मिली प्रति लिटर ( २० पीपीएम) पाण्याच्या द्रावणात बूडवावेत. द्राक्ष बागेत रात्री सिंचन करावे. खोडाभोवती किंवा बागेत सेंद्रिय पदार्थाचे आच्छादन करावे. द्राक्ष बागेत पिक बेरीची समस्या होऊ नये म्हणून, द्राक्ष घड पेपरने किंवा पिशव्याने झाकून घ्यावेत.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| सिताफळ           | वाढीची              | सिताफळ बागेत आवश्यकतेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| भाजीपाला         | वाढीची/ काढणी       | भाजीपाला पिकात खूरपणी करून तण विरहीत ठेवावे व आवश्यकतेनुसार पाटाने पाणी द्यावे. काढणीस तयार असलेल्या भाजीपाला पिकाची काढणी करून घ्यावी. भाजीपाला (मिरची, वांगे व भेंडी) पिकात रसशोषण करणाऱ्या किडीचा प्रादुर्भाव दिसून येत असल्यास त्याच्या व्यवस्थापनासाठी पायरीप्रॉक्सीफेन ५% + फेनप्रोपाथ्रीन १५% १० मीली किंवा डायमथोएट ३०% १३ मीली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
| फुलशेती          | वाढीची/ काढणी       | फुल पिकात खूरपणी करून तण विरहीत ठेवावे व आवश्यकतेनुसार पाटाने पाणी द्यावे.काढणीस तयार असलेल्या फुल पिकाची काढणी करून घ्यावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| पशुधन व्यवस्थापन | -----               | थंडीच्या दिवसात जेव्हा थंड वारे वाहू लागतात त्या वेळेस आपल्या जनावरांचे विशेषतः शेळी आणि मेंढी यांचे थंडीपासून संरक्षण करावे. त्याकरीता त्यांच्या निवाऱ्याच्या जागेत ऊब असावी, माफक प्रमाणात हवा खेळती असावी. नाकातून पाणी येणे, भूक मंदावणे, चालण्याकरीता कष्ट होणे ई. लक्षणे दिसू लागताच पशुवैद्यकाशी त्वरीत संपर्क साधावा. सर्वसाधारणपणे बकरीच्या पिल्लांना थंडीची बाधा लवकर होते. थंडीच्या दिवसात करंडांची मरतूक टाळण्यासाठी त्यांना ऊबदार जागेत ठेवावे. मोठ्या टोपलीत कापड टाकून त्यामध्ये पिल्लांना ठेवता येऊ शकते, थंडीपासून संरक्षण होते. गोठ्यात माफक हवा असावी. शेळीचे दुध भरपूर प्रमाणात द्यावे ज्यामुळे पिल्लांच्या शरीरात ऊर्जा निर्माण होऊन थंडीपासून बाधा होणार नाही. |

सदर कृषी हवामान सल्ला पत्रिका वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषी विद्यापीठ, परभणी येथील ग्रामीण कृषी मौसम सेवा योजनेतील तज्ञ समितीच्या शिफारशीवरून तयार करून प्रसारित करण्यात आली.

मुख्य प्रकल्प समन्वयक  
ग्रामीण कृषी मौसम सेवा  
वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषी विद्यापीठ, परभणी